स्थानवाचक क्रियाविशेषण हैं।

(ग) परिमाणवाचक क्रियाविशेषण- जो क्रिया विशेषण शब्द क्रिया के परिमाण (माप-तौल) का बोध कराते हैं, वे परिमाणवाचक क्रियाविशेषण कहलाते हैं; जैसे-

मुझे बहुत नींद आ रही है। परीक्षा में सफलता के लिए तुम्हें अधिक परिश्रम करना चाहिए।

प्रायः कम, अधिक, थोड़ा, जितना, उतना, तनिक, जरा, अति, बहुत, अत्यंत, कुछ, पर्याप्त, बूँद-बूँद, अल्प, केवल, लगभग आदि शब्द परिमाणवाचक क्रियाविशेषण हैं।

(घ) रीतिवाचक क्रियाविशेषण- जो क्रिया-विशेषण शब्द कार्य होने या कार्य करने की रीति का बोध कराते हैं, वे रीतिवाचक क्रियाविशेषण कहलाते हैं; जैसे-

पिता जी धीरे-धीरे चलते हैं। झटपट तैयार हो जाओ।

एकाएक, ध्यानपूर्वक, अचानक, धड़ाधड़, झटपट, मन से, सहसा, सचमुच, अवश्य, कदाचित्, कैसे, क्यों, सहसा, मात्र आदि शब्द रीतिवाचक क्रियाविशेषण हैं।

परिमाणवाचक विशेषण और परिमाणवाचक क्रियाविशेषण में अंतर

परिमाणवाचक विशेषण से किसी वस्तु की माप-तौल का पता चलता है जबकि परिमाणवाचक क्रियाविशेषण से क्रिया के परिमाण का बोध होता है; जैसे-

परिमाणवाचक विशेषण	परिमाणवाचक क्रियाविशेषण
1. ...र्मिक समारोह में काफ़ी लोग आए थे।	1. हम काफ़ी थक चुके, अब हमें विश्राम करना चाहिए।
2. मेरे पास पर्याप्त सामान है।	2. आज शिवम ने पर्याप्त पढ़ाई की है।

F15 · ©Shot By S.K.R
1/25 11:58

संबंधबोधक

(क) मेरा घर दूर पहाड़ी पर है।

(ख) मेरे साथ मत आओ।

(ग) स्कूल के बाहर कृष्णा खड़ी है।

(घ) शिक्षा के बिना जीवन व्यर्थ है।

OPPO F15 - © Shot By S.K.R
2020/11/25 11:58

दिए गए वाक्यों में क्रमशः 'दूर', 'साथ', 'के बाहर' और 'के बिना' शब्द संज्ञा अथवा सर्वनाम शब्दों के साथ आकर उनका संबंध वाक्य के अन्य शब्दों के साथ स्पष्ट कर रहे हैं। ये शब्द संबंधबोधक अव्यय हैं।

जो शब्द संज्ञा या सर्वनाम का संबंध वाक्य के अन्य शब्दों से जोड़ते हैं, उन्हें संबंधबोधक अव्यय कहते हैं।

हिंदी में मुख्यतः निम्नलिखित संबंधबोधक अव्यय प्रयोग में लाए जाते हैं-

1. तुलनावाचक – की अपेक्षा, के आगे, के पीछे आदि।
2. विरोधवाचक – के प्रतिकूल, के विरुद्ध, के खिलाफ, के विपरीत आदि।
3. समतावाचक – की तरह, के समान, के अनुरूप, के अनुसार, की भाँति आदि।
4. विषयवाचक – भरोसे, विषय, बाबत आदि।
5. संग्रहवाचक – भर, पर्याप्त, तक, मात्र आदि।
6. संगवाचक – साथ, समेत, संग, सहित आदि।
7. हेतुवाचक – के लिए, के कारण, के हेतु, की खातिर आदि।
8. पृथकतावाचक – दूर, परे, हटकर आदि।
9. कालवाचक – के आगे, के पीछे, के बाद, के उपरांत, के पश्चात् आदि।
10. स्थानवाचक – के अंदर, के बाहर, के ऊपर, के भीतर, के नीचे, के सामने, के नजदीक, के मध्य आदि।
11. साधनवाचक – के द्वारा, के जरिए, के हाथ, के सहारे आदि।
12. दिशावाचक – के पास, के निकट, के समीप, की ओर, के सामने आदि।

t By S.K.R